Jai Jai Bhairavi Asur Bhayawani Lyrics

जय-जय भैरवि असुर भयाउनि
पशुपति भामिनी माया
सहज सुमति वर दियउ गोसाउनि
अनुगति गति तुअ पाया

वासर रैनि सबासन शोभित
चरण चन्द्रमणि चूड़ा
कतओक दैत्य मारि मुख मेलल
कतओ उगिलि कएल कूड़ा

themithilatimes

सामर बरन नयन अनुरंजित
जलद जोग फुलकोका
कट-कट विकट ओठ पुट पांडरि
लिधुर फेन उठ फोंका

घन-घन-घनय घुंघरू कत बाजय
हन-हन कर तुअ काता

विद्यापति कवि तुअ पद सेवक
पुत्र बिसरू जनि माता

जय जय भैरवि असुर भयाउनि
पशुपति भामिनि माया ।
सहज सुमति बर दिय हे गोसाउनि
अनुगति गति तुअ पाया ।।
जय जय भैरवि असुर भयाउनि.....

themithilatimes